

## कॉपी मूल्यांकन मैनुअल

### अंक आवंटन

उत्तर का मानक	अंक मानक (सामान्य अध्ययन)	अंक मानक (वैकल्पिक विषय + निबंध)
उत्कृष्ट/सराहनीय	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा	41-50%	51-60%
अच्छा	31-40%	41-50%
औसत	21-30%	31-40%
खराब/कमजोर	0-20%	0-30%

### उत्तर का मुख्य सार

उत्तर संरचना	कंटेंट दक्षता	प्रस्तुतीकरण दक्षता	भाषा दक्षता	शब्द सीमा
--------------	---------------	------------------------	-------------	-----------

## 1. उत्तर संरचना

- प्रश्न प्रमुख रूप से 3 भागों में विभक्त होना चाहिए।
- छात्र को स्पष्ट रूप से समझाने के लिए भाग 1, भाग-2 में बांटकर लिखें।

### माइक्रो कमेंट्स (परिचय)

- लंबी भूमिका/परिचय लिखने से बचें, अधिकतम 3-4 लाइन आवश्यक हैं।
- भूमिका प्रश्न के संदर्भ के अनुरूप नहीं है। (आपको बताना है की भूमिका को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है।)
- संरचना में सुधार की आवश्यकता है, उत्तर को भूमिका, मुख्य भाग एवं निष्कर्ष के रूप में लिखें।

### माइक्रो कमेंट्स (मुख्य भाग)

- प्रश्न की मांग का एक क्रम से पालन करें। उत्तर में पहले जो पूछा गया है उसका उल्लेख होना चाहिए, उसके बाद प्रश्न का भाग 2 होना चाहिए।
- विषयवस्तु से भटकाव, कंटेंट की गुणवत्ता, प्रस्तुतीकरण, भाषा, मात्र एवं वर्तनी अशुद्धियों पर ध्यान दिया जाना अपेक्षित है। यदि कहीं अनावश्यक लिखा गया है तो उस पार्ट को घेर कर बताएं की यह अनावश्यक है।
- कमजोर उत्तर के केस में सिनोप्सिस के रूप में आपको कंटेंट लिख कर बताना है।

### माइक्रो कमेंट्स (निष्कर्ष)

- अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, समाज जैसे विषयों में आवश्यकता पड़ने पर ही आगे का रास्ता/निष्कर्ष लिखें।
- निष्कर्ष हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण में ही लिखें साथ ही समसामयिक विषयों के बारे में चर्चा करना बेहतर होगा।

## 2. कंटेंट दक्षता

### माइक्रो कमेंट्स (परिचय)

- प्रश्न की मांग को पूरा करें
- परिचय में शामिल है - परिभाषा, प्रासंगिक तथ्य और संवैधानिक अनुच्छेद, मूल/कीवर्ड की प्रासंगिक/वर्तमान स्थिति का स्पष्टीकरण
- मुख्य भाग में शामिल है - जानकारीपूर्ण/व्याख्यात्मक और प्रश्न की मांग को पूरा करें। तथा उपयुक्त उदाहरण/डेटा/केस अध्ययन द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए, उत्तर में दी गई जानकारी और तथ्य/उदाहरण/केस अध्ययन सटीक और सही होने चाहिए।
- यूपीएससी द्वारा दिए गए निर्देश, जैसे - परीक्षण करना, आलोचनात्मक विश्लेषण करना, चर्चा करना, पुष्टि करना, आकलन करना, टिपण्णी करना आदि बातों का ध्यान रखना चाहिए।
- परिभाषाएँ, करेंट अफेयर्स, रिपोर्ट को परिचय में जोड़ने की आवश्यकता है।

### माइक्रो कमेंट्स (मुख्य भाग)

- अच्छा, लेकिन आपको \_\_\_\_\_ का भी वर्णन करना होगा।
- अपने तर्क को मजबूत करने के लिए प्रासंगिक उदाहरण/डेटा शामिल करें।
- आपने कुछ सबसे महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल/शामिल नहीं किया है। कृपया शामिल करें \_\_\_\_\_।
- आप प्रश्न की आवश्यक मांग को संबोधित नहीं कर रहे हैं। इनकी जगह आपको \_\_\_\_\_ के बारे में चर्चा करनी चाहिए।
- आपके द्वारा उद्धृत\दिए गए उदाहरण अच्छे हैं।
- स्तरीय\ सामान्य कथनों को लिखने से बचें, उदाहरणों की सहायता से औचित्य सिद्ध करें।
- बेहतर प्रस्तुतिकरण के लिए उपयुक्त आरेख/फ्लो चार्ट /मानचित्र आदि का उपयोग करें।
- इस भाग को संक्षिप्त करने की आवश्यकता है, \_\_\_\_\_ पर अधिक चर्चा करने की आवश्यकता है
- तथ्यात्मक त्रुटियों से बचें।
- आप प्रश्न के संबंध में मुख्य बिंदुओं को शामिल करने से चूक गए।

- महत्वपूर्ण शब्दों को रेखांकित करें।
- शब्द सीमा के भीतर ही उत्तर पूर्ण करने का प्रयास करें।
- \_\_\_\_\_ को शामिल करके कंटेंट और अधिक व्यापक बनाएं।
- आपके उत्तर में तार्किक प्रवाह का अभाव है।
- पैराग्राफ के साथ ,आप बिन्दुवार लेखन का भी प्रयोग कर सकते हैं।
- इस बिंदु को प्रश्न के संदर्भ से बेहतर ढंग से जोड़ें।
- अधिक वैचारिक स्पष्टता की आवश्यकता है।
- प्रासंगिक/बुनियादी समझ का अभाव।
- उत्तर को व्यापक बनाने के लिए अधिक से अधिक आयामों को शामिल करने का प्रयास करें-जैसे -----।
- कंटेंट दक्षता अच्छी है , आपने अपने उत्तर में प्रासंगिक तत्वों को शामिल किया है और तर्क दिए हैं।
- विवादास्पद उदाहरणों का उल्लेख करने से बचें।
- अस्पष्ट \ सतही उदाहरण देने से बचें।
- उदाहरण स्वभावतः सीधे-सीधे होने चाहिए।
- संदर्भ के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्षों पर चर्चा करें।
- प्रश्न में समस्याओं/सीमाओं के बारे में पूछे जाने पर, समस्या केंद्रित दृष्टिकोण के बजाय समाधान केंद्रित दृष्टिकोण के लिए 2-3 समाधान भी जोड़ें।
- Good point. द्वितीय एआरसी द्वारा सुझाए सुझावों के अनुसार लिख सकते हैं।
- आपने प्रश्न के पहले भागकी चर्चा नहीं की है। लेकिन दूसरे भाग की चर्चा का प्रयास अच्छा है।
- आपने उत्तर के मुख्य विषय को समग्रता से कवर किया है।
- कंटेंट अच्छा है किन्तु उत्तर को विश्लेषित करने की आवश्यकता है।
- कंटेंट के स्तर पर कमजोर प्रयास है , क्लास नोट्स का अध्ययन करें।
- प्रश्न को बेहतर ढंग से समझने के लिए प्रश्न को 2-3 बार पढ़ें। ताकि आप जो पूछा गया है उससे भटकाव न हो।
- अपने उत्तर में, हाल के उदाहरणों और समसामयिक घटनाओं को शामिल करें।
- सामान्य प्रश्नों में भी आंकड़े ,रिपोर्ट आदि को शामिल करना बेहतर होगा।
- अवधारणात्मक समझ को बढ़ाएं।
- अवधारणात्मक समझ अच्छी है।

### माइक्रो कमेंट्स (निष्कर्ष)

निष्कर्ष होना चाहिए-

- संतुलित दृष्टिकोण एवं सकारात्मक होना चाहिए।
- भविष्योंमुखी होना चाहिए।
- उचित निष्कर्ष भी दीजिए।
- संबंधित समितियों की सिफारिशों/सुझावों, रिपोर्टों आदि को जोड़कर इसे बेहतर ढंग से समाप्त करें।
- निष्कर्ष को बेहतर बनाने के लिए और अधिक विस्तार से आगे का रास्ता सुझाएं।
- निष्कर्ष अच्छा है, लेकिन इसे और बेहतर बनाने के लिए आप इसे ..... के साथ एकीकृत कर सकते हैं।
- निष्कर्ष अवश्य लिखें। चाहे वह 2-3 पंक्तियों का ही क्यों न हो, यह आपके उत्तर को पूर्णता प्रदान करता है।
- निष्कर्ष प्रश्न को न्याय नहीं प्रदान कर रहा है, प्रश्न से प्रत्यक्ष तर्कसंगत निष्कर्ष लिखें।

### 3. प्रस्तुतीकरण दक्षता

माइक्रो कमेंट्स:

- वाक्य संरचना पर ध्यान दें।
- प्रस्तुतिकरण को बेहतर बनाने के लिए उपयुक्त आरेख/फ्लो चार्ट/मानचित्र आदि का उपयोग करें।
- पंक्तियों में शब्दों के बीच उचित दूरी छोड़ें।
- पैराग्राफ 10 प्रतिशत स्थान छोड़कर बनाएं।
- महत्वपूर्ण शब्दों को रेखांकित करें।
- हैंड राईटिंग में सुधार अपेक्षित है।
- भाषा सरल एवं सुस्पष्ट है। इसे जारी रखें।
- वर्तनी एवं मात्रात्मक अशुद्धियों में सुधार करें

## कीवर्ड (निर्देश)

### 1. वर्णनात्मक निर्देश

A. अपेक्षित है कि आप मुख्य रूप से 4 डब्ल्यू का उत्तर दें - क्या, कहाँ, कौन, कब

### 2. महत्वपूर्ण निर्देश

A. आप अधिक से अधिक जानकारी दें।

B. दिए गए मुद्दे का विश्लेषण और मूल्यांकन करें।

## निर्देश

	वर्णनात्मक निर्देश	समीक्षात्मक\आलोचनात्मक निर्देश
सरलीकरण आधारित	विस्तार में बताएं	विश्लेषण करना
	व्याख्या करना	मूल्यांकन करना
	अन्वेषण करना	औचित्य\पक्ष सिद्ध करें
	परिभाषित करना	समीक्षा करें

	विवरण देना	आकलन
<b>प्रस्तुतीकरण आधारित</b>	वर्णन करना / प्रमाणों से पुष्टि करना	मूल्यांकन
	गणना करना \एक-एक करके बताना	किस सीमा तक विस्तृत करना है
	अनुमान लगाना	कमेन्ट
	उदाहरण देकर स्पष्ट करना	क्या आप सहमत हैं
	आउटलाइन\ढांचा	आपको लगता है? न्यायसंगत है ?
	संक्षिप्त	व्याख्या
	आख्यान करना	आलोचनात्मक मूल्यांकन करें
	ट्रेस करना	आलोचनात्मक विश्लेषण करें
		आलोचनात्मक मूल्यांकन करें

## वर्णनात्मक निर्देश

<b>परिभाषित करना</b>	<ul style="list-style-type: none"><li>• परिभाषा दें</li><li>• की वर्ड्स को केन्द्रीय स्थान देते हुए चर्चा अपेक्षित। (जैसे- भारतीय गाँव की परिभाषा, पितृसत्ता आदि।)</li></ul>
<b>वर्णन करना</b>	<ul style="list-style-type: none"><li>• विस्तृत विवरण - कैसे और क्यों?</li><li>• विषय की मुख्य विशेषताओं के बारे में बहुत ही वस्तुनिष्ठ तरीके से जानकारी प्रदान करें।</li></ul>
<b>विस्तार में बताना</b>	<ul style="list-style-type: none"><li>• बस विस्तृत करें।</li><li>• किसी विषय या तर्क पर बहुत अधिक विवरण और जानकारी प्रदान करें।</li><li>• यहां आलोचनाओं की चर्चा न करें।</li></ul>
<b>व्याख्या करना</b> <b>मतलब (कारण बताएं)</b>	<ul style="list-style-type: none"><li>• प्रश्न आपसे मूलतः किसी विषय को स्पष्ट करने की अपेक्षा करते हैं।</li><li>• 2 बातें याद रखें -<ol style="list-style-type: none"><li>1. जितना संभव हो उतना विवरण प्रदान करें।</li><li>2. किसी विशिष्ट शब्दावली या ओरमुख शब्द को परिभाषित करें।</li></ol></li><li>• क्या, कैसे और क्यों जैसे प्रश्नों को ध्यान में रखें क्योंकि इससे आपको स्पष्ट और तार्किक रूप से सुसंगत उत्तर तैयार करने में मदद मिलेगी।</li><li>• उत्तर प्रारूप बाटते समय संतुलन\सामंजस्य अति महत्वपूर्ण है।</li><li>• आलोचनात्मक मूल्यांकन की यहाँ आवश्यकता नहीं है।</li></ul>



<b>जांचना\अन्वेषण करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• आपका उत्तर व्याख्यात्मक होना चाहिए</li> <li>• उत्तर देते समय प्रश्नात्मक दृष्टिकोण अपनाएं</li> <li>• ध्यान रहे कि वस्तुनिष्ठता कुंजी है।</li> <li>• अपना कोई भी तर्क देने से पहले सभी दृष्टिकोणों का अवलोकन करें।</li> <li>• किसी शोध विषय या तर्क के समग्र भागों की जांच करके उसका सूक्ष्म विवरण दें।</li> </ul>
	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विवरण पर ध्यान दें।</li> <li>• किसी विषयवस्तु का विस्तृत विवरण दें।</li> </ul>
	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कारण बताने पर ध्यान दें</li> <li>• यहां हमें बताना होगा - क्या और क्यों (यदि आवश्यक हुआ)</li> </ul>

## सरलीकरण आधारित (वर्णनात्मक निर्देश)

स्पष्ट करना	<ul style="list-style-type: none"><li>• किसी विषय में अंतर्दृष्टि प्रदान करें  </li><li>• स्पष्टीकरण प्रदान करें, यानी, विषय को सरल शब्दों में समझाकर तर्क को स्पष्ट करें।</li></ul>
विशद करना	<ul style="list-style-type: none"><li>• नोट: यह कीवर्ड आमतौर पर कारण-प्रभाव लिंकेज-आधारित प्रश्नों में पूछा जाता है।</li><li>• यहां केवल साक्ष्य और उदाहरणों को शामिल करते हुए लिंकेज को अधिक स्पष्ट रूप से दर्शाएँ।</li><li>• जो पक्ष या कंटेंट या एप्रोच अस्पष्ट है उसे सही तरीके से स्पष्ट करें।</li></ul>
बताएं/प्रकाश डालें	<ul style="list-style-type: none"><li>• अत्यधिक वर्णनात्मक हुए बिना किसी विषय से संबंधित प्रमुख पहलुओं को स्पष्ट शब्दों में निर्दिष्ट करें।</li><li>• जहां उपयुक्त हो वहां साक्ष्य और उदाहरण दें।</li></ul>
पहचान करना	<ul style="list-style-type: none"><li>• "मुख्य विचारों" को संक्षिप्त और सुसंगत तरीके से इंगित करें और उनका वर्णन करें।</li></ul> <p>नोट - केवल अपेक्षित प्रश्नों में।</p>

## प्रस्तुतिकरण आधारित (वर्णनात्मक कीवर्ड)

<b>प्रमाणित करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• उदाहरण देकर समझाइए कि कैसे?</li> </ul>
<b>सिद्ध/प्रमाणिक करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पहले से ही सिद्ध बिंदुओं को प्रमाणित करें।</li> <li>• विभिन्न बिंदुओं के बीच तर्क-वितर्क न करें।</li> </ul>
<b>एक-एक करके बताना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• उक्त विषय के बारे में विषयों को सूचीबद्ध करें।</li> <li>• विस्तृत स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है।</li> </ul>
<b>आकलन करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• किसी विचार के सकारात्मक और नकारात्मक का मापन करना।</li> <li>• इस प्रकार की स्थिति में कोई निष्कर्ष नहीं लिखा जाता।</li> </ul>
<b>उदाहरण देकर स्पष्ट करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• किसी विषयवस्तु की कार्यप्रणाली को दर्शाने के लिए सामान निर्देश देना।</li> <li>• ध्यान दें -- आंकड़ों सहित उदाहरण, यानी, अपने स्पष्टीकरण में गुणवत्ता लाने के लिए उपयुक्त परिभाषित उदाहरणों और आंकड़ों का उपयोग करना।</li> </ul>
<b>खाका/ढांचा</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• किसी विषय या तर्क का व्यवस्थित विवरण प्रस्तुत करें।</li> <li>• मामूली विवरणों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय केवल मुख्य बिंदु (और महत्वपूर्ण पूरक जानकारी) प्रदान करें।</li> <li>• अपना उत्तर व्यवस्थित एवं सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करें।</li> </ul>
<b>संक्षेप</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• इसके मुख्य बिन्दुओं अथवा तथ्यों का संक्षिप्त रूप दीजिए।</li> <li>• की-पॉइंट्स पर ध्यान केन्द्रित करें।</li> <li>• संक्षिप्त रखें और सीधे मुद्दे पर आएँ।</li> <li>• मुख्य बात यह है कि सभी मुख्य तथ्यों को यथासंभव संक्षिप्त और संक्षिप्त तरीके से पाठक तक पहुँचाया जाए।</li> </ul>

<b>वर्णन करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• किसी भी विषय का शुरू से लेकर अंत तक बताएं (आरम्भ से भविष्य तक )</li> <li>• इसका मतलब यह है कि शुरुआत से लेकर अंत या भविष्य तक बाटने के कारण जुड़ाव एवं निरंतरता बनी रहती है। इसी तरह से वर्णन किया जाता है।</li> <li>• पूछे गए प्रश्न का आप भी अनुमान लगा सकते हैं कि उसकी कार्यशैली क्या होगी। (अपने ज्ञान का प्रयोग करें)</li> </ul>
<b>ट्रेस करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रश्न में जो पूछा गया है उसके विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए ,उसकी एक रूपरेखा तैयार करना।</li> </ul>

### तुलनात्मक-विश्लेषण आधारित (वर्णनात्मक कीवर्ड)

तुलना करना	<ul style="list-style-type: none"><li>• समानताएँ</li><li>• ध्यान दें : यहां विभेदीकरण/मतभेदों पर ध्यान कम होगा लेकिन उत्तरों में इसे शामिल किया जाना चाहिए।</li></ul>
भेद/विषमता दिखाना	<ul style="list-style-type: none"><li>• अंतर करना</li><li>• नोट: यहां समानताओं पर ध्यान कम दिया जाएगा लेकिन उत्तर में इसे शामिल किया जाना चाहिए।</li></ul>
तुलना करना /भेद दिखाना	<ul style="list-style-type: none"><li>• समान महत्व - समानताएं और अंतर</li></ul>

## महत्वपूर्ण निर्देश

<b>विश्लेषण करना</b>	<ul style="list-style-type: none"><li>• पूरे मुद्दे को भागों में विभाजित करें।</li><li>• विषय के लिए/विषय के विपरीत प्रत्येक भाग, यानी, प्रत्येक बिंदु की जांच करें।</li><li>• निष्कर्ष - कोई स्टैंड लेना अनिवार्य नहीं है।</li></ul>
<b>आकलन</b>	<ul style="list-style-type: none"><li>• आपको इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि कोई चीज़ किस हद तक सही है।</li><li>• उल्लेखित विषय की विशेषताओं और चुनौतियों को लिखें।</li><li>• प्रासंगिक शोध का उदाहरण देकर अपने तर्क के बारे में बताएं लेकिन साथ ही किसी भी खामी और प्रतिवाद को इंगित करना भी याद रखें।</li><li>• निष्कर्ष - स्पष्ट रूप से यह बताते हुए दें कि कि आप मूल प्रस्ताव से कहां तक सहमत हैं।</li></ul>
<b>कमेन्ट</b>	<ul style="list-style-type: none"><li>• आपकी राय आवश्यक है।</li><li>• विषय पर मुख्य बिंदुओं को चुनें और तर्क और प्रासंगिक साक्ष्य के संदर्भ का उपयोग करके अपने दृष्टिकोण को पुष्ट करते हुए अपनी राय दें, जिसमें आपके द्वारा किया गया कोई भी व्यापक अध्ययन शामिल हो।</li><li>• नोट: ध्यान रहे कि आपका झुकाव एकपक्षीय न हो, हालांकि आपको सकारात्मक रहना होगा लेकिन अन्य जरूरी चीजों को भी दिखाना होगा।</li></ul>

<b>आलोचनात्मक मूल्यांकन</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• दो तत्व तैयार करें - पक्ष और विपक्ष</li> <li>• निर्णय दें (आपके द्वारा तैयार किए गए मामले, डेटा, तथ्यों आदि के आधार पर)</li> </ul> <p>नोट: कीवर्ड की चर्चा के लिए निर्णय की आवश्यकता नहीं है। चर्चा और आलोचनात्मक मूल्यांकन के बीच यह प्रमुख अंतर है।</p> <p>नोट: आलोचना का मतलब केवल बुरे या नकारात्मक पक्षों को बताना नहीं है बल्कि उस विषय की विशेषताओं या अच्छाइयों को भी बताना है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• इसका मतलब है गहराई से किसी बात को बताना या उसका विश्लेषण करना।</li> </ul>
<b>चर्चा करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विषय से संबंधित चर्चा के सभी पहलुओं पर विचार करें।</li> <li>• किसी शोध किए गए विषय के पक्ष और विपक्ष (आलोचनाओं और विशेषताओं) पर बात करें।</li> <li>• विषय के संदर्भ में अन्य विद्वानों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न दृष्टिकोणों के ज्ञान को शामिल करके विषय की विस्तृत जांच करें।</li> <li>• आपके द्वारा प्रस्तुत सभी साक्ष्यों के आधार पर अपनी स्थिति स्पष्ट रूप से बताएं।</li> </ul> <p>नोट: यहां निष्कर्ष में निर्णय अनिवार्य नहीं है।</p>
<b>क्या आप सहमत हैं? क्या आपको लगता है, उचित ठहराए ?</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• आपकी राय और उसका औचित्य अपेक्षित है।</li> <li>• पहले स्पष्टता के साथ राय व्यक्त करें, फिर एक सिंहावलोकन, उसके बाद स्पष्टता के साथ औचित्य संबंधी तर्क।</li> <li>• राय के अनुरूप निष्कर्ष का सुझाव दिया जा सकता है।</li> </ul>

<b>मूल्यांकन करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• आपको यह प्रदर्शित करना आवश्यक है कि आप किसी विशेष तर्क या परिकल्पना से किस हद तक सहमत हैं।</li> <li>• चर्चा के दोनों पक्षों की जानकारी प्रदान करें।</li> <li>• अपने तर्कों को उन साक्ष्यों के आधार पर बताएं जिनसे आपको अपनी स्थिति पर पहुंचने में मदद मिली।</li> </ul>
<b>परीक्षण करना</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• किसी विषय का विस्तार से निरीक्षण करना और उसके निहितार्थों की जाँच करना।</li> <li>• डेटा, तथ्यों और आंकड़ों के संदर्भ में मुद्दे की विस्तार से जांच करें, यानी, उससे संबंधित प्रमुख तथ्यों और मुद्दों को स्थापित करें।</li> <li>• अपनी राय न दें।</li> </ul>
<b>समीक्षा</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• किसी विषय या तर्क की आलोचनात्मक जांच प्रदर्शित करें।</li> </ul> <p>जैसे यह किसके द्वारा किया जाता है - प्रश्न के प्रमुख विषयों या बिंदुओं का पुनर्कथन या सारांश बनाना और अपनी राय देते समय उन पर आलोचनात्मक चर्चा करना।</p> <p>नोट: दूसरे तरीके से कहें तो, समीक्षा प्रश्न में निबंध प्रश्न की वैधता पर अपनी राय प्रस्तुत करना शामिल है।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• यहां उद्देश्य केवल अन्य विद्वानों के कार्यों को दोबारा प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि इन कार्यों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना है।</li> </ul>



<b>व्याख्या</b>	<p>तथ्यों की व्याख्या प्रस्तुत करें।</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• तथ्य महज़ इनपुट हैं और इन्हें अलग-अलग तरीके से समझा जा सकता है।</li> </ul> <p>नोट: अंक इस बात पर निर्भर करते हैं कि आप पेपर को कितना अलग ढंग से समझते हैं।</p>
<b>कितना /कितनी हद तक?</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• आपको किसी स्थिति का विश्लेषण या चर्चा करनी चाहिए कि यह किस हद तक घटित हुआ है।</li> <li>• संकेतक बने रहने का प्रयास करें, यानी दी गई स्थिति को हर कोण/परिप्रेक्ष्य आदि से देखें।</li> </ul>
<b>आप कहां तक सहमत हैं?</b>	<p>आप जिस पक्ष से सहमत/निष्कर्ष निकालना चाहते हैं, उसके लिए एक अतिरिक्त संकेत के साथ दोनों पक्षों के तर्कों को कवर करने का प्रयास करें।</p>
<b>औचित्य सिद्ध करना\पक्ष समर्थक</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• उन साक्ष्यों को प्रस्तुत करके अपने तर्कों का आधार स्पष्ट करें जो आपके दृष्टिकोण को बहुत ही ठोस तरीके से सूचित करते हैं।</li> <li>• आपको यह समझाने की आवश्यकता है कि अन्य संभावित तर्क असंतोषजनक क्यों हैं और साथ ही आपका अपना तर्क बेहतर क्यों है।</li> </ul>